हेलेन केलर
और बड़ा तूफ़ान

पेट्रीसिया लैकिन

चित्र: डायना मैग्नसन

हेलेन केलर और बड़ा तूफ़ान

पेट्रीसिया लैकिन

चित्र: डायना मैग्नसन

नन्ही हेलेन केलर को गुलाब और अन्य फूलों की महक बहुत पसंद थी.

फूल उसके अलबामा घर के चारों ओर खिले थे.

लेकिन हेलेन को सबसे ज़्यादा शैतानी करना पसंद था.

जब वो छह साल की थी, तब उसने अपनी सबसे अच्छी शैतानी की!

मम्मा किचन के स्टोर-रूम में गयीं थीं.

जल्दी से, हेलेन ने चाबी ली और फिर बाहर से ताला बंद कर दिया!

हेलेन ने मम्मा को स्टोर-रूम के अंदर बंद कर दिया.

हेलेन को इस तरह की शैतानी करने का अक्सर मौका नहीं मिलता था.

मम्मा और पापा ने उसे समझने की बहुत कोशिश की.

लेकिन कई बार उन्हें यह पता ही नहीं चलता था कि हेलेन आखिर क्या चाहती थी.
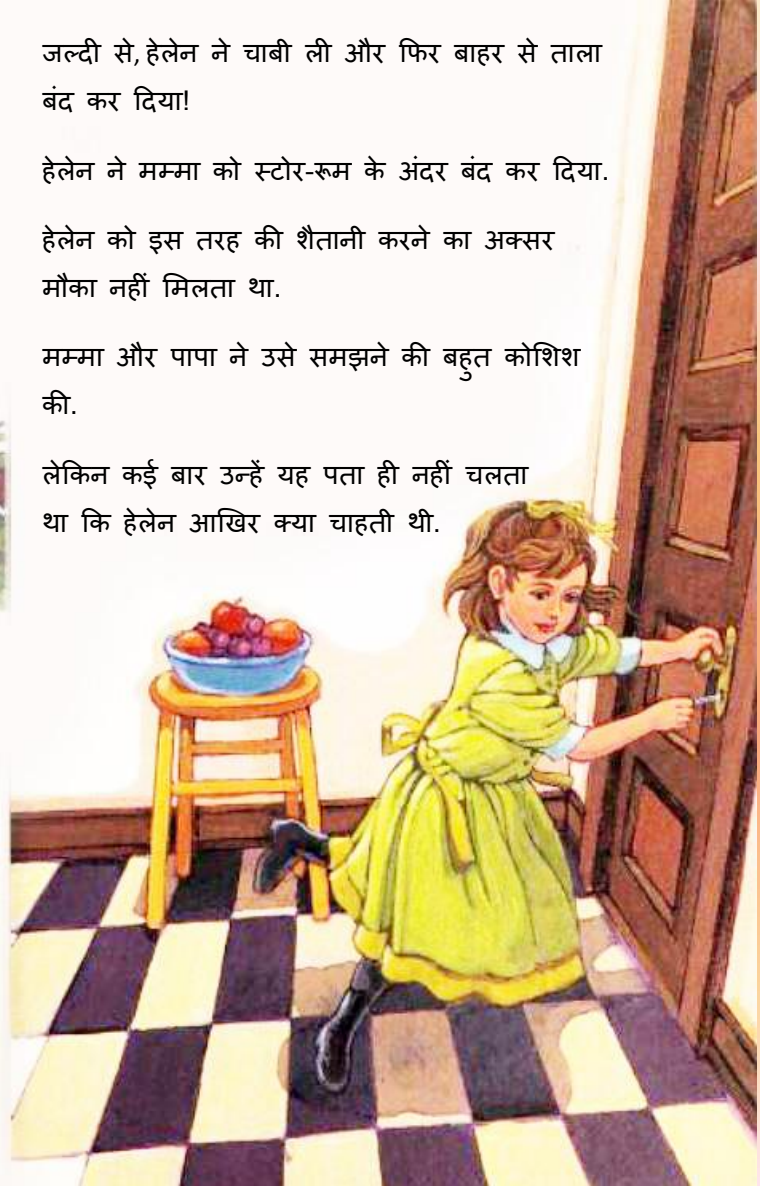
हेलेन को कभी इतना गुस्सा आता था कि वो लात मारती थी और फिर ढेर बनकर ज़मीन पर गिर जाती थी.

उसके बाद वो बाहर भागती थी.

फिर खुद ठंडी, सुकून देने वाली घास पर जाकर गिर जाती थी.

फूल, पेड़, घास, गर्म धूप, और कोमल हवा में हेलेन हमेशा बेहतर महसूस करती थी.

हेलेन को उसकी शैतानी और नखरों के लिए कभी भी सजा नहीं दी गई.

मिस्टर और मिसेज केलर को लगता था कि हेलेन को पहले ही पर्याप्त सजा मिल चुकी थी.

उनकी बेटी सुन, देख या बात नहीं कर सकती थी.

लेकिन उस स्टोर-रूम वाली शरारत ने हमेशा के लिए हेलेन की जिंदगी बदल दी.

केलर दंपत्ति को अब पता चला कि हेलेन की जितनी देखभाल वो कर सकते थे उसे उससे ज्यादा देखभाल की जरूरत थी.

हेलेन को एक विशेष शिक्षक की ज़रुरत थी.

हेलेन की टीचर का नाम एनी सुलिवन था.

एनी केलर परिवार के साथ रहने आईं.
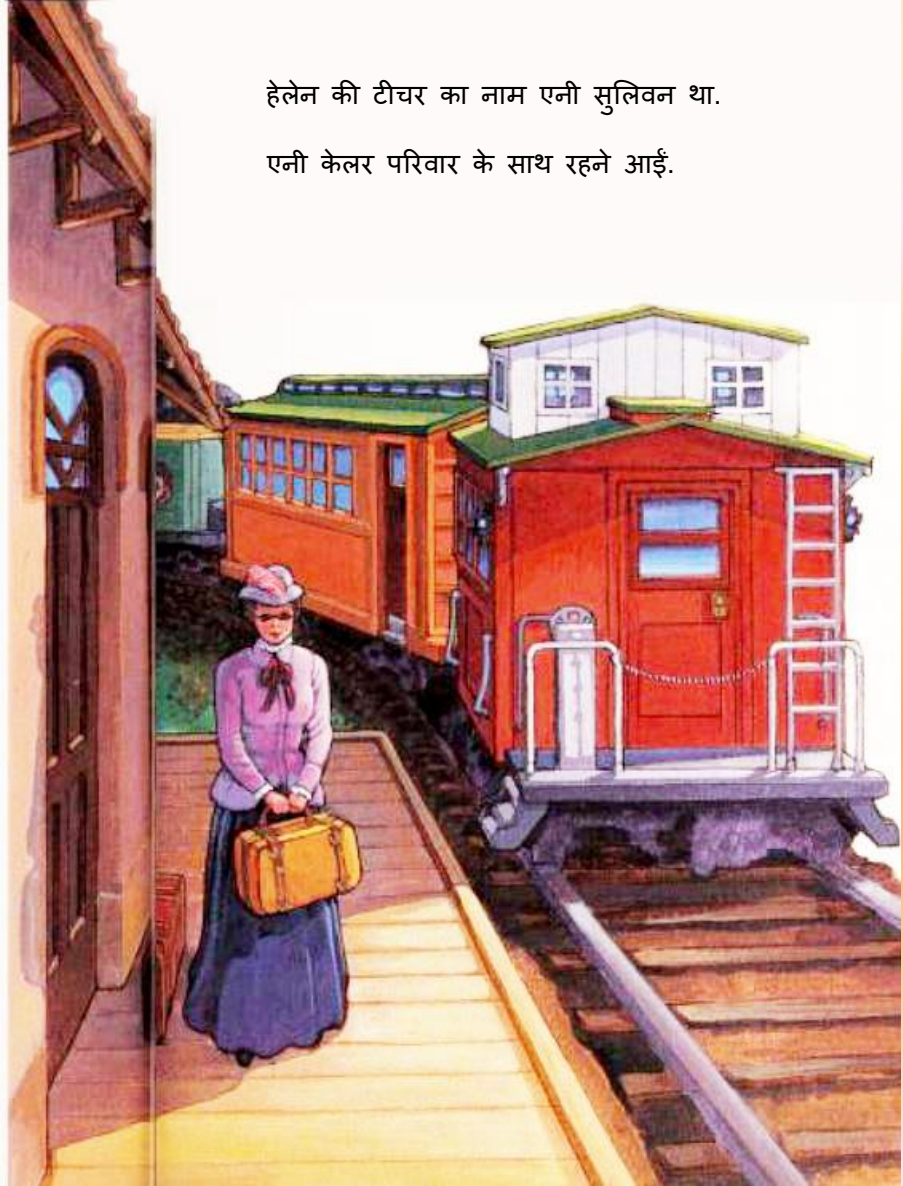
हेलेन एक अजनबी टीचर पर भरोसा करने को तैयार नहीं थी.

और वो अपनी शरारतें भी छोड़ने को तैयार नहीं थी.

उसने टीचर एनी को उनके कमरे में बंद कर दिया.

और इस बार हेलेन ने चाबी छिपा दी!

उस शरारत से एनी को पता चला कि हेलेन कितनी चतुर थी.

हेलेन ने तमाम शरारतें कीं लेकिन एनी ने कभी भी हार नहीं मानी!

धीरे-धीरे, दिन-ब-दिन एनी, हेलेन के साथ काम करती रही.

ऐनी ने हेलेन की हथेली में अपनी उंगलियों को दबाकर अक्षर लिखे और हेलेन को पढ़ाया.

ऐनी ने उंगलियों से उन चीज़ों के नाम लिखे जो हेलेन को पसंद थीं.

जैसे घास, फूल, पत्तियाँ, पेड़, कीड़े, तितलियाँ, सूरज, हवा और बारिश.

जल्द ही हेलेन को शरारत करने से ज़्यादा अपने पाठ पसंद आने लगे.
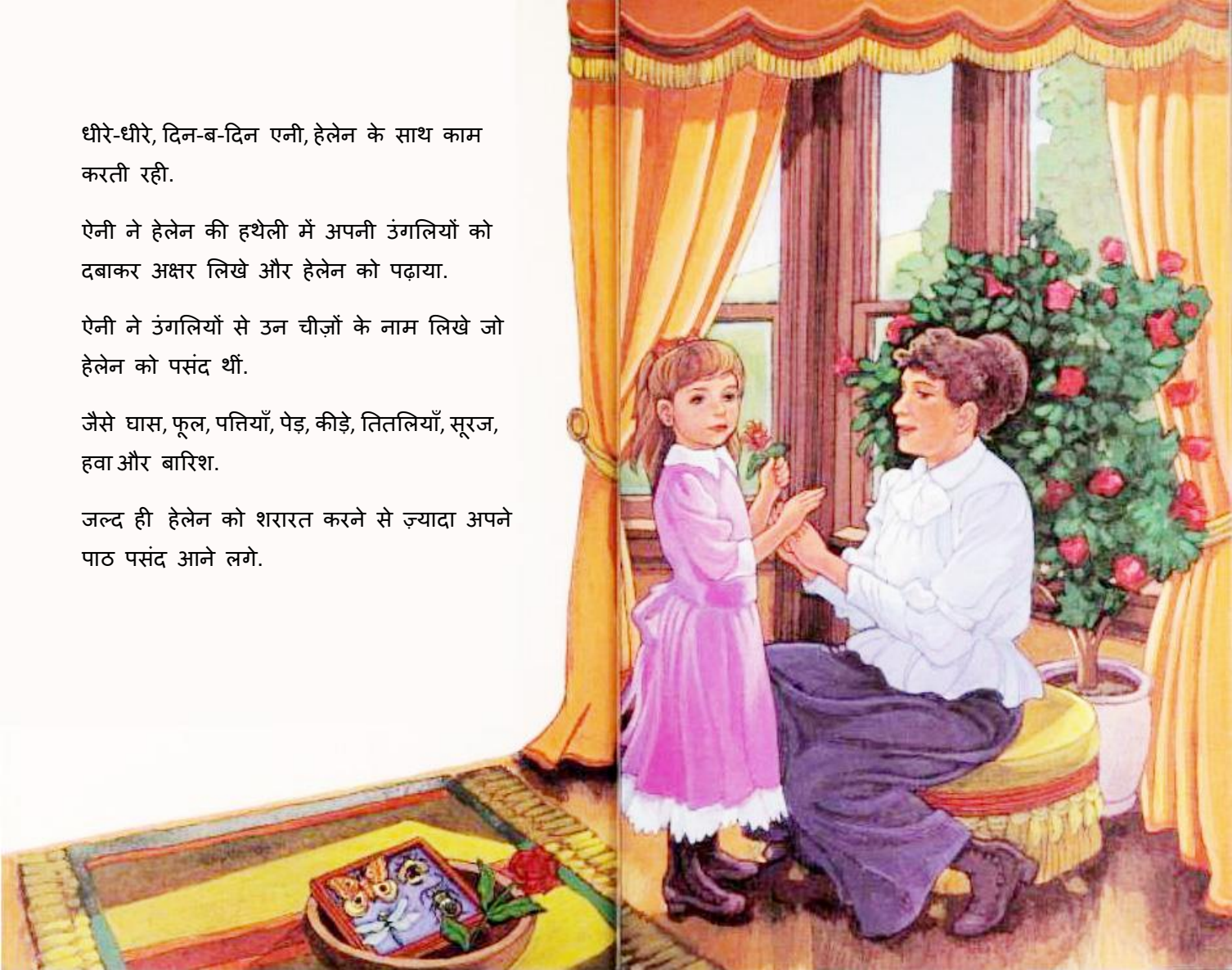
जल्द ही, बाहर का बगीचा हेलेन की कक्षा बन गया.

एक गर्मी के दिन, हेलेन और एनी ने लंबी सैर की.

घर वापिस जाते समय हवा गर्म, चिपचिपी और नम थी.

हेलेन और एनी एक जंगली चेरी के पेड़ के नीचे आराम करने के लिए रुक गए.

पेड़ ने उन्हें चिलचिलाती धूप से बचाया.

पेड़ की पत्तियों से कोमल, ठंडी हवा आई.
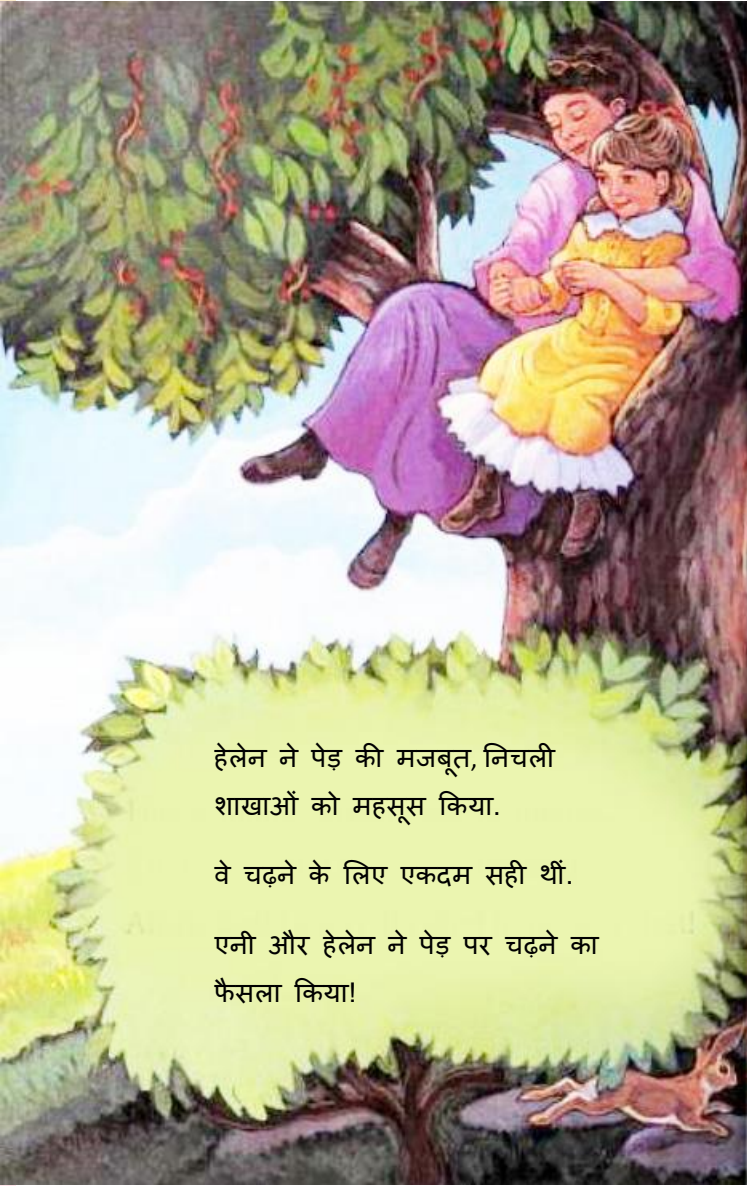
हेलेन ने पेड़ की मजबूत, निचली शाखाओं को महसूस किया.

वे चढ़ने के लिए एकदम सही थीं.

एनी और हेलेन ने पेड़ पर चढ़ने का फैसला किया!
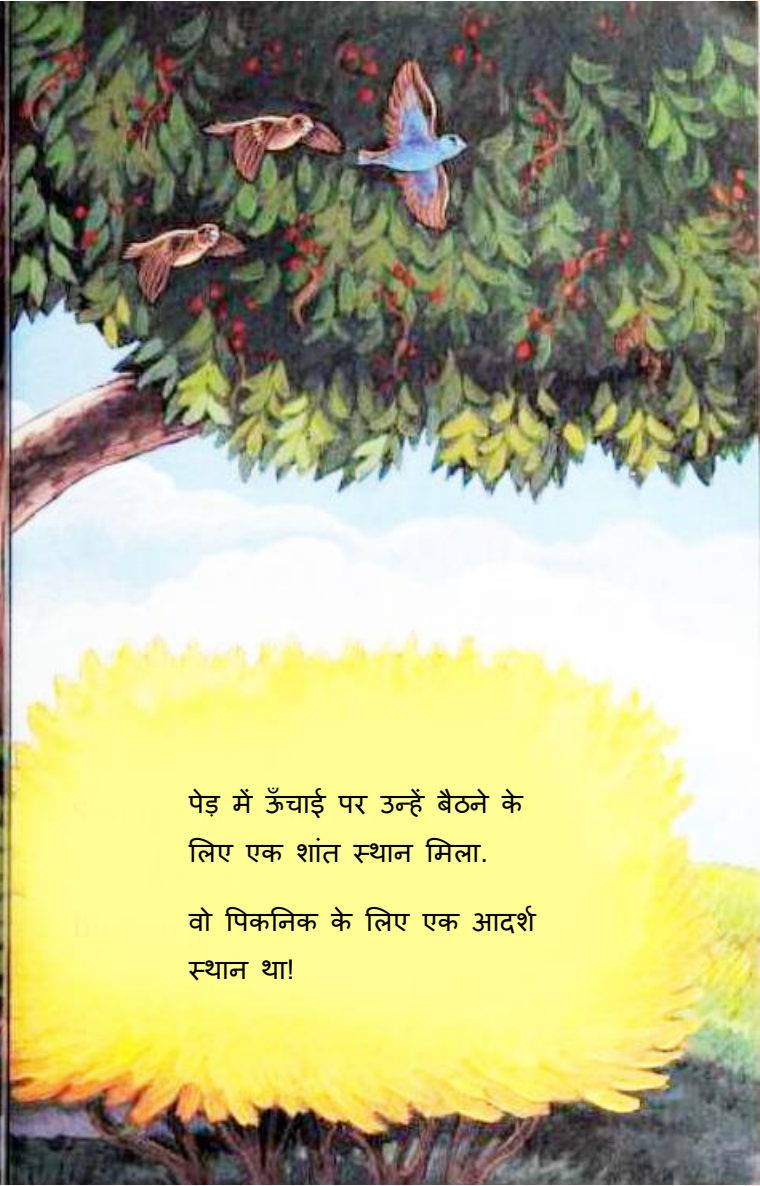
पेड़ में ऊँचाई पर उन्हें बैठने के लिए एक शांत स्थान मिला.

वो पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान था!

फिर एनी खाना बनाने के लिए घर चली गई.

हेलेन से एनी से उस स्थान से न हिलने का पक्का वादा किया.

हेलेन हिलने के बारे में सोच भी नहीं सकती थी.

क्योंकि उसे पेड़ पर ऊपर बैठना बेहद पसंद था!

चेरी के पेड़ की अद्भुत खुशबू को हेलेन ने सूंघा.

उसने पेड़ की खुरदरी छाल और उसके चिकने हरे पत्तों को सहलाया.

उसने ठंडी हवा को अपने चेहरे पर महसूस किया.

लेकिन कुछ ही सेकंडों में हेलेन के
आसपास की दुनिया एकदम पलट गई.
सूरज अचानक गायब हो गया.
ठंडे, तेज हवा के झोंके हेलेन के चेहरे पर
तमाचे मारने लगे.
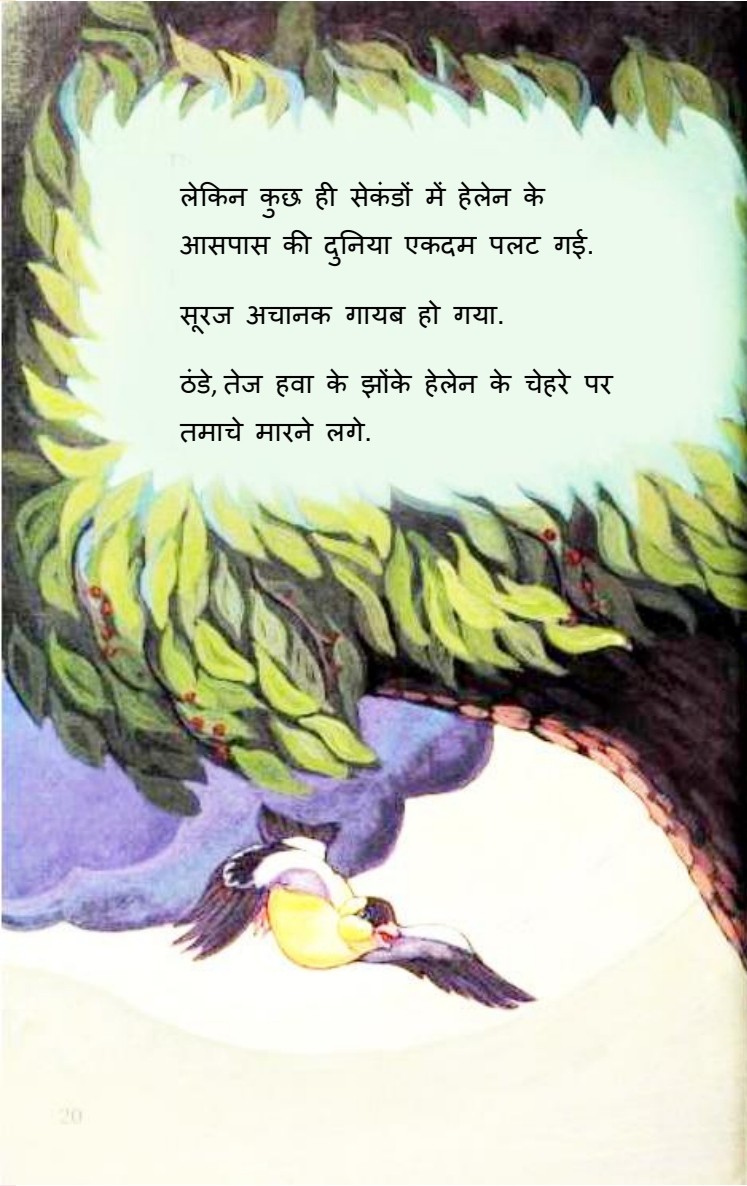
फूलों की महक गायब हो गई.

उसकी नाक एक और गंध से भर गई.

वो मीठी खुशबू नहीं थी.

वो गंध गहरी, अंधेरी धरती में से निकल रही थी.

उससे हेलेन को पता चला कि एक तूफान निकट था.

हेलेन को पत्तों के कांपने का अहसास होने लगा.

फिर उसके चेहरे, हाथ और पैरों पर टूटती टहनियों की बारिश हुई.

पेड़ का अंग-अंग हिलने लगा.

हवा टहनियों के बीच शोर मचाती हुई बहने लगी.

हेलेन के चारों ओर तेज़ हवा चली.

तेज़ हवा ने हेलेन को पेड़ से नीचे गिराने की कोशिश की.

लेकिन हेलेन ने एक हिलती हुई शाखा को कसकर पकड़ लिया.

वो अपनी पूरी ताकत लगाकर उससे चिपकी रही.

हेलेन चुपचाप वैसे ही लटकी रही.

वो पेड़ के ऊपर फंस गई थी.

वो नहीं देख सकती थी.

वो मदद के लिए किसी को बुला नहीं सकती थी.

अगर कोई मदद के लिए आता तो भी वो उसे सुन नहीं सकती थी.

हेलेन ने इतना अकेलापन और डर पहले कभी महसूस नहीं किया था.

वो यह बात समझ नहीं पा रही थी कि जिन कोमल चीजों से वो इतना प्यार करती थी, वे उसके खिलाफ कैसे हो सकती थीं.

अचानक, ठंडी, तेज़ हवा में, हेलेन ने एक हाथ महसूस किया.

वो एक मजबूत, गर्म हाथ था.

वो एनी सुलिवन का हाथ था.

ऐनी ने हेलेन को कसकर पकड़ा.

हेलेन ने पेड़ की शाख को छोड़ दिया.

फिर हेलेन, एनी से चिपकी रही.

एनी ने हेलेन को पेड़ से नीचे उतारा.

उस दिन हेलेन ने बहुत कुछ सीखा.

उसने प्रकृति की शक्ति को महसूस किया.

प्रकृति कुछ ही सेकंड में कोमल से भयावह हो सकती थी.

हेलेन ने दोस्ती की ताकत के बारे में भी सीखा.

उसके बाद एनी सुलिवन, हेलेन केलर के लिए हमेशा मौजूद रही.

हेलेन केलर और एनी सुलिवन जीवन भर दोस्त रहे.

हेलेन आगे चलकर एक प्रतिभाशाली लेखिका बनी,

और उसने हमेशा दूसरों की मदद के लिए काम किया.

हेलेन के जीवन की समयरेखा:

1880 हेलेन का जन्म अलबामा में हुआ.

1882 बीमारी ने उसे बहरा और अंधा बना दिया.

1887 टीचर एनी सुलिवन, केलर परिवार में पहुंचीं.

1BBB एनी के साथ, हेलेन ने बोस्टन के *पर्किन्स इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड* में औपचारिक शिक्षा पाई.

1900 *रैडक्लिफ* कॉलेज में प्रवेश लिया जो अब *हार्वर्ड विश्वविद्यालय* का हिस्सा है.

1902 हेलेन के प्रारंभिक वर्षों की आत्मकथा प्रकाशित हुई.

1904 *रैडक्लिफ* में सम्मान के साथ स्नातक की डिग्री पाई.

1923 विकलांगों के प्रवक्ता के रूप में आजीवन विश्व-यात्रा की.

1931 बारह महानतम जीवित अमेरिकी महिलाओं में से एक नामित.

1936 एनी सुलिवन की मृत्यु हुई, और फिर मैरी एग्नेस (पोली) थॉम्पसन, हेलेन की साथी बनीं.

1959 ब्रॉडवे नाटक *"द मिरेकल वर्कर"* शुरू हुआ. वो एनी और हेलेन के प्रारंभिक वर्षों पर आधारित था.

1962 में उस नाटक पर आधारित एक प्रमुख चलचित्र बना.

1964 अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार - *स्वतंत्रता के राष्ट्रपति पदक* से सम्मानित.

1968 कनेक्टिकट में घर पर मृत्यु.